इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

संस्कृति संवाद श्रृंखला-8

21 अप्रैल, 2018

कलाऋषि बाबा योगेन्द्र

संस्कृति संवाद श्रृंखला – 8

निमंत्रण पत्र

मान्यवर,

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र 21 अप्रैल, 2018 को संस्कृति संवाद श्रृंखला का आठवां आयोजन दिल्ली में करने जा रहा है | यह कलाऋषि बाबा योगेन्द्र निमित्त होगा | इस अवसर पर समाज-संस्कृति की परस्परता पर विभिन्न सत्रों में विद्वान वक्ता विचार रखेंगे | इस अवसर पर बाबा केन्द्रित पुस्तक का लोकार्पण और शाम को वृत्तचित्र दिखाया जायेगा |
इस कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं |

कार्यक्रम स्थल
आई.जी.एन.सी.ए. ऑडिटोरियम, सी.वी. मेस, जनपथ,
नई दिल्ली
निकटतम मेट्रो स्टेशन : केन्द्रीय सचिवालय एवं जनपथ

संस्कृति संवाद श्रृंखला – 8

कार्यक्रम

पंजीयन

प्रातः 9:30 से 10:00 तक

सत्र - 1: सम्मान सत्र

प्रातः 10:00 से 11:30 बजे तक

सत्र - 2: बाबा योगेन्द्र: जीवन एवं योगदान

दोपहर 12:00 बजे से 1:30 बजे तक

भोजन

1:30 बजे से 2:30 बजे तक

सत्र - 3: भारतीय कला दृष्टि

दोपहर 2:30 से 4:00 बजे तक

सत्र –4: कला साधना, साधक एवं संस्था

सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे तक

सत्र –5: बाबा योगेन्द्र जी पर केंद्रित वृत्त चित्र का प्रदर्शन

सायं 6:00 बजे से 6:25 बजे तक

निमंत्रित अतिथि

श्री राजनाथ सिंह, माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार

श्रीमती मृदुला सिन्हा, महामहिम राज्यपाल, गोवा

डॉ महेश शर्मा, संस्कृति राज्यमंत्री, भारत सरकार

निमंत्रित वक्ता

डॉ सरोजा वैद्यनाथन, डॉ दया प्रकाश सिन्हा, उस्ताद वसिफुद्दीन डागर, श्री श्याम शर्मा,
श्रीमती मालिनी अवस्थी, डॉ उदयन इंदुरकर, श्री टी. एस. नागभरना,
सुश्री कमलिनी, प्रो एच. एल. प्रजापति, श्री अमीर चंद,
श्रीमती माधवी कुलकर्णी, श्री गजेन्द्र सोलंकी,
श्री अतुल जैन, श्री चेतन जोशी, डॉ स्वर्ण अनिल

कलाऋषि बाबा योगेन्द्र

बाबा योगेंद्र जी का जीवन लगभग एक शताब्दी के अनुभवों का मूर्त रूप है। वह हमेशा समाज को एकात्मक मानवता के पवित्र यज्ञ से जोड़ने के लिए तत्पर रहते हैं। उनसे मिलने वाले लोग उनसे हर मुलाकात में कुछ नया सीखते हैं। भारतीय समाज में समरसता के लिए बाबा निरंतर प्रयासरत रहते हैं। वह कहते हैं कि कला मिट्टी में प्राण फूंकती है। कला से संस्कारों का सृजन होता है। कला ही समाज को प्रेरित करने का कार्य करती है। विविध कलाओं और कला साधकों ने समय-समय पर सोए हुए देश को जगाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बाबा भी भारतीय संस्कृति की विरासत को सहेजने के जीवंत प्रतीक हैं। बाबा एक ऐसे प्रवासी हैं, जिनका हर पग देश की सांस्कृतिक चेतना को नया जीवन प्रदान करता है। पञ्चानवे वर्ष के बाबा योगेन्द्र जी के योगदान पर इस वर्ष भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया है।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र

वेबसाइट: http://ignca.gov.in/ ईमेल – igncakaladarsana@gmail.com

फेसबुक: @IGNCA, ट्विटर: @igncakd, इन्स्टाग्राम : @ignca_delhi

फ़ोन: 011-23388155

LAYOUT DESIGN : RANJAN ENGTI, METROPOLIS ASIA
(GUWAHATI)